राजयोग के अभ्यास से ही होगा सकारात्मक परिवर्तन : जयंती दीदी

'सकारात्मक परिवर्तन की संभावनाएं' कार्यक्रम का सफल आयोजन

ओआरसी-गुरुग्राम। राजयोग के अभ्यास से परिवर्तन करना सहज हो जाता है। क्योंकि योग से महसूसता की शक्ति आती है। उक्त विचार ब्रह्माकुमारीज़ की अति. मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी ब्र.कु. जयंती दीदी ने ओम शांति रिट्रीट सेंटर में 'सकारात्मक परिवर्तन की संभावनाएं' विषय पर आयोजित कार्यक्रम में व्यक्त किये। उन्होंने कहा कि परिवर्तन के लिए मूल्यों को अपनाना बहुत ज़रूरी है। दूसरों के परिवर्तन से पहले हमें स्वयं का परिवर्तन करना है। एक व्यक्ति का परिवर्तन भी अनेकों को प्रेरणा देता है। हमें मूल्यों के महत्व को न सिर्फ जानना है अपितु उसका प्रयोग कर अपने जीवन को दिव्य गुणों की खुशबू से महकाना है। जिससे दूसरे को भी अपने जीवन में बदलाव की प्रेरणा मिलेगी।

आध्यात्मिक शिक्षा से आता है समानता का भाव

जयंती दीदी ने कहा कि आज आत्म सम्मान को बनाए रखने की आवश्यकता है। आध्यात्मिक शिक्षा से हम एक नए दृष्टिकोण को अपना सकते हैं। आध्यात्मिकता से समानता का भाव पैदा होता है। जिससे एक बेहतर संसार बना सकते हैं।

परिवर्तन के सकारात्मक पक्ष को जानना ज़रूरी

ओआरसी की निदेशिका राजयोगिनी ब्र.कु. आशा दीदी ने कहा कि वर्तमान समय परिवर्तन के साथ स्वयं को एडजस्ट करना बहुत बड़ी चुनौती है। लेकिन परिवर्तन एक सामान्य प्रक्रिया है। परिवर्तन को स्वीकार करने के लिए स्वयं को समझने की ज़रूरत है। परिवर्तन से प्रभावित होने की बजाए, उसके सकारात्मक पक्ष को समझें। कार्यक्रम में ऑल इंडिया वुमेन कॉन्फ्रेंस की पूर्व अध्यक्ष शीला काकडे, बीएसएनएल के प्रबन्ध निदेशक प्रवीण कुमार पुरवार, डीसीएम श्रीराम के सीईओ रोशन कामत, सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क ऑफ इंडिया के निदेशक अमित बंसल, बीएसएफ के पूर्व डीआईजी सुनील कपूर, भारत सरकार के गृह मंत्रालय से प्रभास प्रियदर्शनी एवं रश्मि प्रियदर्शनी सहित अनेक गणमान्य लोग शामिल हुए। मंच संचालन ब्र.कु. विधात्री बहन ने किया।

विकास के लिए विज्ञान और अध्यात्म का संतुलन ज़रूरी

ज्ञान सरोवर में वैज्ञानिकों का नए युग के लिए नया दृष्टिकोण विषय पर त्रिदिवसीय सम्मेलन में गहन मंथन

ज्ञानसरोवर-माउण्ट आबू। ब्रह्माकुमारीज़ के तकनीकी प्रभाग की ओर से 'नए युग के लिए नया दृष्टिकोण' विषय पर आयोजित त्रिदिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन के शुभारंभ पर टीसीआईएल के सीएमडी संजय कुमार ने कहा कि मनुष्य को स्वयं के आंतरिक विज्ञान के विकास को लेकर कृतसंकल्प होना चाहिए।

ब्रह्माकुमारीज़ के अति. महासचिव ब्र.कु. बृजमोहन भाई ने कहा कि मन की ऊर्जा अपने आप में ही गहरा विज्ञान है। जिसे समझने का अनुसंधान हर व्यक्ति को करना चाहिए।

विज्ञान व तकनीकी प्रभाग के अध्यक्ष ब्र.कु. मोहन सिंघल भाई ने कहा कि सकारात्मक दृष्टिकोण से ही जीवन में उन्नति के रास्ते खुलते हैं। आध्यात्मिक दृष्टिकोण से समाज को श्रेष्ठ संस्कारों से सींचा जा सकता है। प्रभाग की उपाध्यक्षा ब्र.कु. आशा बहन ने कहा कि शांति, सद्भावना व संतुष्टि का भविष्य बनाने के लिए तथा समाज के सही विकास के लिए भौतिकता और आध्यात्मिक प्रगति के बीच संतुलन स्थापित करने की आवश्यकता है। वडोदरा से आये आईओसीएल के एक्ज़ीक्युटिव डायरेक्टर राहुल प्रशांत ने कहा कि विकास का पहिया तो निरंतर आगे दौड़ रहा है। लेकिन हमें अपनी ज़रूरतों को सीमा रेखा के अंदर ही रखना चाहिए। वरिष्ठ राजयोग प्रशिक्षिका ब्र.कु. डॉ. सविता बहन ने सभी को राजयोग की गहन अनुभूति कराई। कार्यक्रम में राष्ट्रीय संयोजक ब्र.कु. भारत भूषण भाई, ब्र.कु. पीयूष भाई, नरेंद्र पटेल व ब्र.कु. माधुरी बहन ने भी अपने विचार व्यक्त किये।

ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान में विश्व मातृ दिवस पर कार्यक्रम का आयोजन

नारी अबला नहीं सबला है... वो शक्ति है

रायपुर-छ.ग.। अंतर्राष्ट्रीय मातृ दिवस के उपलक्ष्य में ब्रह्माकुमारीज़ के महिला प्रभाग द्वारा विधानसभा मार्ग स्थित शान्ति सरोवर रिट्रीट सेन्टर में 'स्वस्थ एवं सुखी परिवार में माताओं की भूमिका' विषय पर आयोजित समारोह को सम्बोधित करते हुए संस्थान की क्षेत्रीय निदेशिका राजयोगिनी ब्र.कु. हेमलता दीदी ने कहा कि घर परिवार को व्यवस्थित रखने और सभी सदस्यों की सुख-सुविधाओं का ख्याल रखने में माताओं की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। इसके साथ ही धन का सही ढंग से इस्तेमाल करना उसी पर निर्भर करता है। उन्होंने कहा कि माताओं को शिव शक्ति का सम्मान देकर उनके माध्यम से परमात्मा विश्व परिवर्तन का कार्य करा रहे हैं। नारी में बहुत शक्ति है, विशेषताएं हैं। जब व्यक्ति उलझन में होता है, परेशान होता है तो वो माँ के दरबार में जाकर शक्ति मांगता है, इससे ही सिद्ध होता है कि नारी अबला नहीं सबला है, वो एक शक्ति है, देवी है।

दिशा स्कूल की प्राचार्य श्रीमती रिचा साव ने कहा कि परिवार में सबकी देखभाल माताएं करती हैं। कोई भी व्यक्ति जो कि देखभाल कर रहा है वह माँ की भूमिका निभा रहा है। उन्होंने कहा कि स्वस्थ मन के लिए भौतिक शिक्षा के साथ ही आध्यात्मिक शिक्षा भी ज़रूरी है। स्वस्थ मन से ही स्वस्थ शरीर और सुखी परिवार का निर्माण हो सकता है।

राज्य में मशरूम लेडी के रूप में पहचानी जाने वाली श्रीमती नम्रता यदु ने संघर्ष को जीवन का हिस्सा बताते हुए कहा कि कदम-कदम पर कठिनाइयां आती हैं लेकिन हमें उसे जीवन का हिस्सा समझकर आगे बढ़ना चाहिए। हमें कठिनाइयों से डरना नहीं चाहिए। जो भी समय ईश्वर ने हमें दिया है उसका लाभ उठाना चाहिए। ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान में जो अध्यात्म के द्वारा आत्मा और परमात्मा की शिक्षा दी जाती है वह हमें जीवन को अच्छी तरह जीने के लिए प्रेरित करती है।

रायपुर संचालिका ब्र.कु. सविता दीदी ने कार्यक्रम के विषय को स्पष्ट करते हुए कहा कि माँ शब्द सबसे अधिक प्यारा होता है। वह जगत जननी है। दया, करुणा, प्रेम और सहिष्णुता आदि सारे गुण उसमें समाहित होते हैं। कहते भी हैं कि ईश्वर ने माँ को अपने ही स्वरूप में गढ़ा है। इसलिए महिलाओं को पुरुषों की तरह दिखने या कपड़े पहनने की ज़रूरत नहीं है। वह सौम्यता, दिव्यता और कोमलता की प्रतीक है तो सशक्त और शक्तिशाली भी है। कार्यक्रम का संचालन ब्र.कु. सिमरण बहन ने किया।

घर की व्यवस्था में माताओं की भूमिका अहम... हेमलता दीदी

स्वस्थ मन से ही स्वस्थ शरीर और सुखी परिवार... श्रीमती रिचा साव

संघर्ष जीवन का हिस्सा है इसलिए कठिनाईयों से घबराएं नहीं... श्रीमती नम्रता यदु

ईश्वर ने माँ को अपने ही स्वरूप में गढ़ा है... सविता दीदी

वृद्धाश्रम की बजाय परिवार में हो वृद्ध का आश्रय

वसंतनगर में वरिष्ठ नागरिक स्नेह मिलन का भव्य आयोजन, बुजुर्गों ने साझा किये अपने अनुभव

नागपुर-वसंतनगर(महा.)। ब्रह्माकुमारीज़ की वार्षिक थीम 'आध्यात्मिक सशक्तिकरण द्वारा स्वस्थ एवं स्वच्छ समाज' के अंतर्गत स्थानीय सेवाकेंद्र में आयोजित 'वरिष्ठ नागरिक स्नेह मिलन' कार्यक्रम में मुख्य अतिथि एडवोकेट तेजस्विनी खाडे ने कहा कि उम्र के इस पड़ाव में आकर हमने जाना कि लौकिक रूप से की गई पढ़ाई हमें इस समय काम में नहीं आ रही है। परंतु परमात्मा द्वारा बताये जाने वाले मार्ग हेतु संस्कारों की धारणा आवश्यक है जो इस संस्था में हमें सीखने को मिली। डॉ. रेखा सपकाळ ने स्वास्थ्य सम्बंधित बातों से अवगत कराते हुए कहा कि शरीर स्वस्थ रहेगा तो ही हम परमात्मा से योग लगा सकेंगे। ब्रह्माकुमारीज़ की क्षेत्रीय संचालिका राजयोगिनी ब्र.कु. रजनी दीदी ने वरिष्ठ नागरिकों को सम्बोधित करते हुए कहा कि प्रजापिता ब्रह्मा बाबा ने आप सबको अपना हमजिन्स बनाया तथा निराकार परमात्मा ने आप सबको अपना गृहस्थ सम्भालने की शक्ति भरी। उन्होंने कहा कि बुजुर्गों के पास अनुभवों की खान होती है जो हमेशा हमारा मार्गदर्शन करती है। ब्रह्माकुमारीज़ की क्षेत्रीय सह संचालिका राजयोगिनी ब्र.कु. मनीषा दीदी ने कहा कि वर्तमान परिस्थिति अनुसार हर घर आज बुजुर्गों से खाली होता जा रहा है और वृद्धाश्रम भरते चले जा रहे हैं। अब इसे बदलने की आवश्यकता है। ब्र.कु. सुकन्या बहन, डॉ. उज्वला देशमुख, ब्र.कु. प्रकाश भाई आदि ने भी अपने विचार रखे। ब्र.कु. राजलक्ष्मी बहन, ब्र.कु. नारायण भाई, ब्र.कु. जयंत भाई सहित अन्य भाई-बहनें इस मौके पर मौजूद रहे।

इस कार्यक्रम की विशेषता रही कि ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान के सभी 65-70 साल के ऊपर के वरिष्ठ नागरिकों द्वारा कार्यक्रम का आयोजन, मंच संचालन, स्वागत, नृत्य, लघुनाटिका सुखमय वृद्धावस्था, वक्तव्य, समारोह प्रस्तुत किया गया।

RNI NO RAJHIN/2000/00721, POSTAL REGD. RJ/SIROHI/9623/24-26, Posting at Shantivan-307510 (Abu Road)
Licensed to post without prepayment RJ/WR/WPP/003/2024-26, Posting on 12th TO 14th and 22nd TO 24th each month, published on 3rd June, 2024
स्वामी - आर.ई.आर.एफ, प्रकाशक, सम्पादक एवं मुद्रक- गंगाधर नरसिंघानी द्वारा कैपिटल ऑफसेट, L 801-I, Sector-28, GIDC Gandhinagar(Guj.) से मुद्रित एवं ओमशान्ति मीडिया, ब्रह्माकुमारीज़,शांतिवन-राज. से प्रकाशित।
कार्यालय - ओमशान्ति मीडिया
ब्रह्माकुमारीज़, शांतिवन,- 307510
See Latest News
www.omshantimedia.org